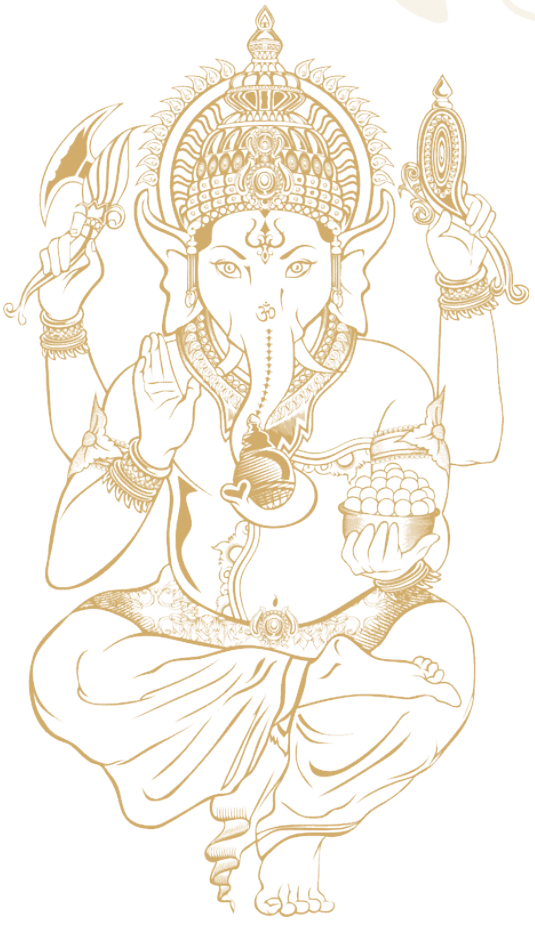

Mr.Govind

Ms.Diksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120096203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/08/1997	जन्म तिथि	22/06/1996
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 13:06:00	जन्म समय	15:20:00 घंटे
घटी 17:48:26	जन्म समय(घटी)	24:23:15 घटी
India	देश	India
Baran	स्थान	Jaipur
25:08:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:58:37	सूर्योदय	05:33:50
18:55:47	सूर्यास्त	19:23:29
23:49:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 8मा 12दि	05:48:40	वृश्चि	लग्न	तुला	15:14:02	शुक्र 14वर्ष 5मा 23दि
गुरु	01:34:33	सिंह	सूर्य	मिथु	07:26:28	चन्द्र
01/05/2019	29:36:59	मक	चंद्र	सिंह	17:00:46	15/12/2016
01/05/2035	08:37:15	तुला	मंगल	वृष	13:09:29	15/12/2026
गुरु 19/06/2021	22:23:49	सिंह व	बुध	वृष	17:56:07	चन्द्र 15/10/2017
शनि 31/12/2023	22:02:43	मक व	गुरु व	धनु	20:28:34	मंगल 16/05/2018
बुध 07/04/2026	07:01:21	कन्या	शुक्र व	वृष	19:53:24	राहु 15/11/2019
केतु 14/03/2027	26:18:05	मीन व	शनि	मीन	13:00:17	गुरु 16/03/2021
शुक्र 12/11/2029	26:01:05	सिंह व	राहु व	कन्या	19:42:52	शनि 15/10/2022
सूर्य 31/08/2030	26:01:05	कुंभ व	केतु व	मीन	19:42:52	बुध 16/03/2024
चन्द्र 31/12/2031	12:06:49	मक व	हर्ष व	मक	10:01:03	केतु 15/10/2024
मंगल 06/12/2032	04:01:20	मक व	नेप व	मक	03:14:15	शुक्र 16/06/2026
राहु 01/05/2035	09:00:40	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	07:07:59	सूर्य 15/12/2026

लग्न-चलित

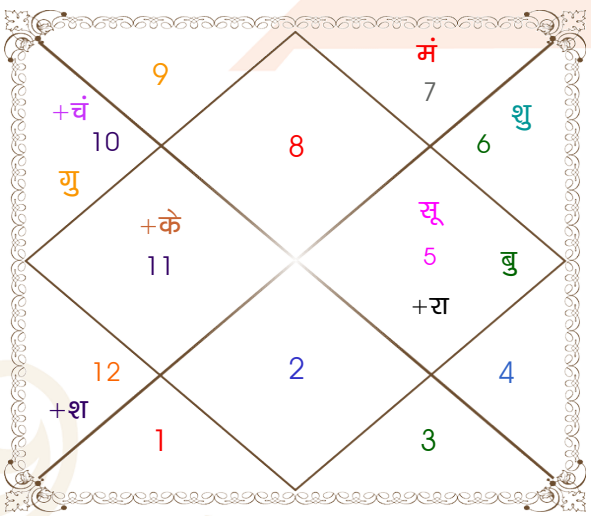

लग्न-चलित

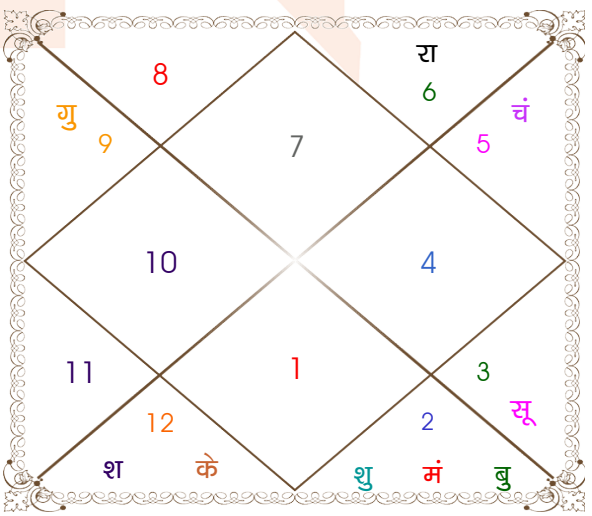

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	4.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.Govind का वर्ग मार्जार है तथा Ms.Diksha का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Govind और Ms.Diksha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Govind मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Govind कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Diksha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह

(राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Diksha कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.Diksha कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Govind तथा Ms.Diksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।